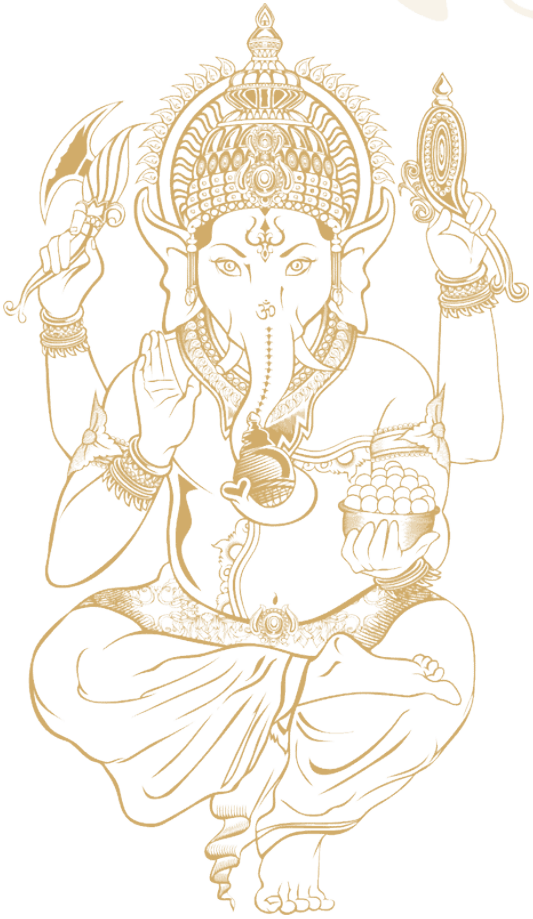

# Ramesh

10 Dec 2021

12:35 PM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121947603

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **10/12/2021** |
| दिन | शुक्रवार |
| **जन्म समय** | **12:35:00 घंटे** |
| इष्ट | 13:49:10 घटी |
| **स्थान** | **Delhi** |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 28:39:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:13:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:08 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 12:13:52 घंटे |
| वेलान्तर | 00:07:12 घंटे |
| साम्पातिक काल | 17:30:49 घंटे |
| सूर्योदय | 07:03:20 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:24:44 घंटे |
| दिनमान | 10:21:25 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | हेमन्त |
| सूर्य के अंश | 24:16:30 वृश्चिक |
| लग्न के अंश | 25:26:46 कुम्भ |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | कुम्भ - शनि |
| **राशि-स्वामी** | **कुम्भ - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **शतभिषा - 3** |
| नक्षत्र स्वामी | राहु |
| योग | वज्र |
| करण | वणिज |
| गण | राक्षस |
| योनि | अश्व |
| नाड़ी | आद्य |
| वर्ण | शूद्र |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मेष |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | वायु |
| जन्म नामाक्षर | सी-सीताराम |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | स्वर्ण - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | धनु |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | कुंभ | 25:26:46 | 511:03:10 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | बुध | --- |
| सूर्य | | | वृश्चि | 24:16:30 | 01:00:58 | ज्येष्ठा | 3 | 18 | मंगल | बुध | राहु | मित्र राशि |
| चंद्र | | | कुंभ | 14:55:25 | 13:18:26 | शतभिषा | 3 | 24 | शनि | राहु | केतु | सम राशि |
| मंगल | | | वृश्चि | 03:39:59 | 00:41:48 | अनुराधा | 1 | 17 | मंगल | शनि | शनि | स्वराशि |
| बुध | | अ | धनु | 00:25:28 | 01:34:08 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | केतु | सम राशि |
| गुरु | | | कुंभ | 02:33:46 | 00:09:17 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | केतु | सम राशि |
| शुक्र | | | मक | 00:43:11 | 00:20:20 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | मित्र राशि |
| शनि | | | मक | 15:35:17 | 00:05:21 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | गुरु | स्वराशि |
| राहु | व | | वृष | 07:26:41 | 00:00:34 | कृतिका | 4 | 3 | शुक्र | सूर्य | केतु | मित्र राशि |
| केतु | व | | वृश्चि | 07:26:41 | 00:00:34 | अनुराधा | 2 | 17 | मंगल | शनि | केतु | मित्र राशि |
| हर्ष | व | | मेष | 17:17:45 | 00:01:50 | भरणी | 2 | 2 | मंगल | शुक्र | चंद्र | --- |
| नेप | | | कुंभ | 26:15:56 | 00:00:18 | पू०भाद्रपद | 2 | 25 | शनि | गुरु | केतु | --- |
| प्लूटो | | | मक | 01:07:15 | 00:01:39 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | --- |
| दशम भाव | | | वृश्चि | 29:08:13 | -- | ज्येष्ठा | -- | 18 | मंगल | बुध | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:34

## लग्न-चलित

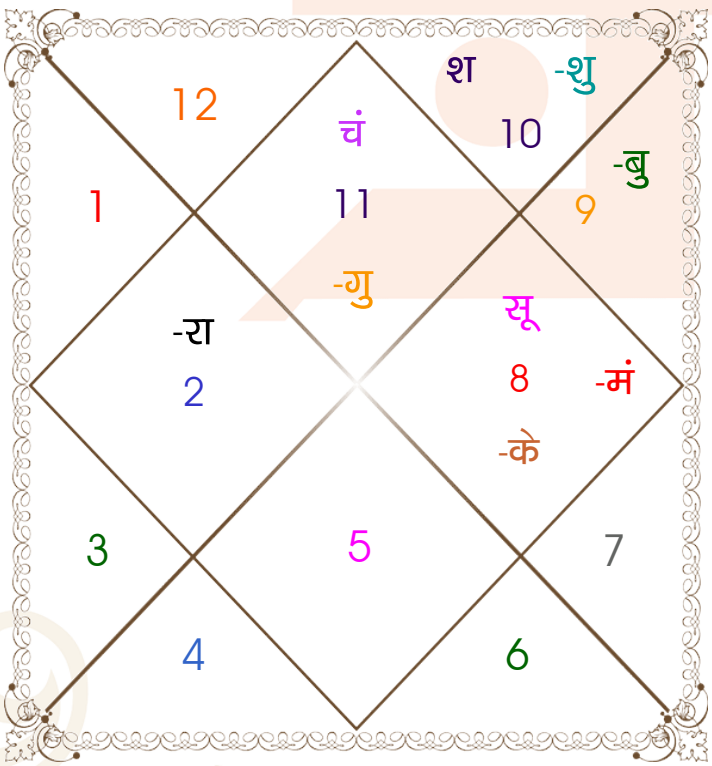


## चन्द्र कुंडली

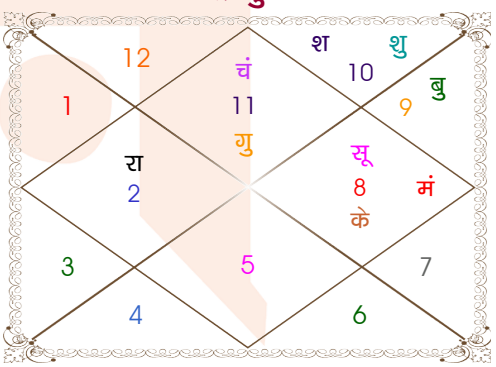


## नवमांश कुंडली

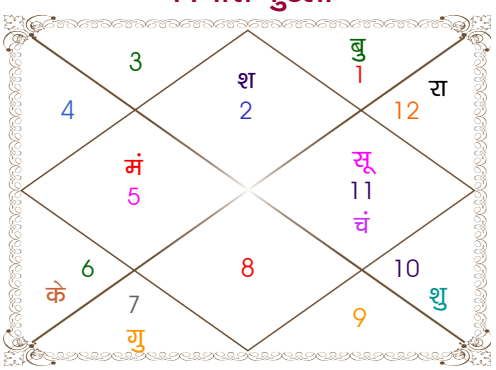

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 10 मास 7 दिन

| राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | | शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10/12/2021 | | 17/10/2028 | | 17/10/2044 | | 18/10/2063 | | 17/10/2080 | |
| 17/10/2028 | | 17/10/2044 | | 18/10/2063 | | 17/10/2080 | | 18/10/2087 | |
| | 00/00/0000 | गुरु | 05/12/2030 | शनि | 21/10/2047 | बुध | 15/03/2066 | केतु | 15/03/2081 |
| | 00/00/0000 | शनि | 18/06/2033 | बुध | 30/06/2050 | केतु | 13/03/2067 | शुक्र | 15/05/2082 |
| | 00/00/0000 | बुध | 23/09/2035 | केतु | 09/08/2051 | शुक्र | 11/01/2070 | सूर्य | 20/09/2082 |
| | 10/12/2021 | केतु | 29/08/2036 | शुक्र | 08/10/2054 | सूर्य | 17/11/2070 | चंद्र | 21/04/2083 |
| केतु | 06/05/2022 | शुक्र | 30/04/2039 | सूर्य | 20/09/2055 | चंद्र | 17/04/2072 | मंगल | 17/09/2083 |
| शुक्र | 06/05/2025 | सूर्य | 17/02/2040 | चंद्र | 21/04/2057 | मंगल | 15/04/2073 | राहु | 05/10/2084 |
| सूर्य | 31/03/2026 | चंद्र | 18/06/2041 | मंगल | 31/05/2058 | राहु | 02/11/2075 | गुरु | 11/09/2085 |
| चंद्र | 30/09/2027 | मंगल | 24/05/2042 | राहु | 06/04/2061 | गुरु | 07/02/2078 | शनि | 21/10/2086 |
| मंगल | 17/10/2028 | राहु | 17/10/2044 | गुरु | 18/10/2063 | शनि | 17/10/2080 | बुध | 18/10/2087 |

| शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 18/10/2087 | | 19/10/2107 | | 18/10/2113 | | 19/10/2123 | | 19/10/2130 | |
| 19/10/2107 | | 18/10/2113 | | 19/10/2123 | | 19/10/2130 | | 00/00/0000 | |
| शुक्र | 16/02/2091 | सूर्य | 05/02/2108 | चंद्र | 19/08/2114 | मंगल | 16/03/2124 | राहु | 01/07/2133 |
| सूर्य | 17/02/2092 | चंद्र | 06/08/2108 | मंगल | 20/03/2115 | राहु | 03/04/2125 | गुरु | 24/11/2135 |
| चंद्र | 17/10/2093 | मंगल | 12/12/2108 | राहु | 18/09/2116 | गुरु | 10/03/2126 | शनि | 30/09/2138 |
| मंगल | 17/12/2094 | राहु | 06/11/2109 | गुरु | 18/01/2118 | शनि | 19/04/2127 | बुध | 19/04/2141 |
| राहु | 17/12/2097 | गुरु | 25/08/2110 | शनि | 19/08/2119 | बुध | 15/04/2128 | केतु | 11/12/2141 |
| गुरु | 18/08/2100 | शनि | 07/08/2111 | बुध | 17/01/2121 | केतु | 12/09/2128 | | 00/00/0000 |
| शनि | 19/10/2103 | बुध | 12/06/2112 | केतु | 18/08/2121 | शुक्र | 12/11/2129 | | 00/00/0000 |
| बुध | 19/08/2106 | केतु | 18/10/2112 | शुक्र | 19/04/2123 | सूर्य | 20/03/2130 | | 00/00/0000 |
| केतु | 19/10/2107 | शुक्र | 18/10/2113 | सूर्य | 19/10/2123 | चंद्र | 19/10/2130 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 11 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्मकालिक ज्यातिषीय आकृति से यह निर्दिष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन में विश्वसनीयता बनाए रखें तब आप उत्तम मानवीय स्वाभावानुकूल जीवन, आनंददायक, धन, प्रसन्नता से युक्त समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से सर्वोतम प्रकार के नेता जो मानवीय विश्वसनीयता से युक्त अन्य लोगों के मददगार, आदर्श एवं उदार चरित्र के प्राणी के रूप में उभर कर समाज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आप उदारता हेतु समर्थ होकर धन संपत्ति का संचय कर सकेंगे। आप मात्र मेधावी ही नहीं हैं। आप सर्वथा धन बनाने के करतब और चालाकी के जानकार हैं। आपमें ऐसी सक्षमता है कि स्पष्ट रूप से धन संपन्न होने के सभी तथ्यों का अच्छी प्रकार मूल्यांकन कर लेते हैं। आप अपने अंतर्ज्ञान पूर्ण शक्ति को लाभ जनित उपयोग कर आप लाभदायक परिणाम प्राप्त कर सकते हो।

आप उत्तम प्रकार के गुणों से युक्त है। आप चाहें तो अच्छे प्रकार के कार्य व्यवसाय तथा पर्यटन कार्य, औषधि, पब्लिक कंपनी के कार्य, औषधि की दुकान या निर्माण कार्य वकालत पेशा, ज्योतिषीय कार्य, धर्म दर्शन के कार्य अथवा भाषा के कार्यादि कर सकते हैं।

आप सामान्यतया अच्छे मिलनसार व्यक्ति हैं। कभी-कभी आप सहजता पूर्वक आवरण में छिप जाते हैं तथा एकांत प्रियता को प्रस्तुत करते हैं। आप किसी अवसर पर सुरक्षित हो जाते हैं। तब आपके मित्र एवं व्यावसायिक सहयोगी को आपके साथ किसी प्रकार के व्यवहार में दिक्कतें उत्पन्न हो जाती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप इस विशेषता को त्याग दें। परंतु आप सदैव वाचालिक प्रवृति से दूसरों को प्रभावित करते हैं तथा अपनी व्यंगात्मक विनोद प्रियता से लोगों के मन पर विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने मित्रों की बड़ी मंडली के साथ अच्छा संबंध रखते हैं। मात्र कुछ समय आपके कुछ मित्रगण गोल माल करते हैं तो उन्हें विश्वास नहीं करने योग्य समझ कर उसे बाहर निकाल कर बहिष्कृत कर देते हैं।

आप किसी के भी पीछे की आधार स्तंभ का सर्वप्रथम अध्ययन कर गोल माल नहीं करने वाला समझ कर अपने से निकटता का संबंध स्थापित कर लेते हैं।

आप विपरीत योनि के प्रति संभोगात्मक प्रवति से सहजतापूर्वक प्रभावित होने वाले प्राणी हैं। आप निश्चित रूप से अपने जीवन में कोई जीवन संगी (प्रेमिका) अवश्य बनाएंगे। कुंभ राशीय प्रभाव से आपका वैचारिक मतैक्यता उनसे हो सकती है जिनका जन्म मिथुन अथवा तुला लग्न में जन्म हुआ हो।

एक बार आपका वैवाहिक जीवन सुव्यवस्थित एवं प्रतिबंधित हो जाना संभाव्य है। आप प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन बिता सकेंगे। आप अपनी पत्नी एवं अपने प्यारी संतान

से युक्त होकर आपकी इच्छा का विस्तार होगा तथा अपने कार्य प्रणाली एवं उद्देश्य के अनुसार आपका नाम और आपकी प्रसिद्धि मिलेगी। आप सर्वथा पूर्ण निर्मित एवं व्यवस्थित भवन प्राप्त कर सकेंगे।

आप एक सामाजिक प्राणी हैं तथा यदा कदा अपने मित्रों को आमंत्रित कर अपने घर पर बुलाना पसंद करते हैं।

आपका स्वास्थ्य स्पष्ट रूप से अच्छा रहेगा परंतु कतिपय संभावित रोगादि की संभावनाओं के विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाना उत्तम होगा। कालांतर में रोगादि से प्रभावित होने की अशुभ संकट की आशंका है। आपके समक्ष हृदय की धड़कन, आंत्र शोथ एवं हार्नियां रोगादि की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए अंकों में अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक अनुकूल प्रतीत होता है। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग उत्तम है। परंतु रंग नारंगी, हरा एवं नीला रंग आपके हित त्याज्य एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।